पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

जीनत ने गिनाए लिव-इन रिलेशनशिप के फायदे

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 105 ■ बुधवार 1 जुलाई 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.
Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

3 घंटे के कार्यक्रम पर 22 लाख स्वाहा

मनपा की किरकिरी

उल्हासनगरवासियों ने महिला दिवस प्रोग्राम पर उठाए सवाल

उल्हासनगर. महानगरपालिका के महिला दिवस प्रोग्राम पर 22 लाख रुपये खर्च होने का खुलासा होने के बाद शहर में नया विवाद खड़ा हो गया है। लोगों ने सवाल उठाया है कि सिर्फ तीन घंटे चले प्रोग्राम पर इतना बड़ा खर्च कैसे हुआ और इसकी हाई-लेवल जांच की मांग की है। आरोप है कि जब महानगरपालिका की माली हालत खराब थी, तब लाखों रुपये बर्बाद किए गए और इस मामले ने प्रशासन को मुश्किल में डाल दिया है।

उल्हासनगर महानगरपालिका द्वारा 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गोल मैदान स्थित भगवंती नवानी स्टेज ग्राउंड पर आयोजित खास प्रोग्राम अब विवादों में आ गया है। महापौर अश्विनी कमलेश निकम की मौजूदगी में सिर्फ तीन घंटे चले इस प्रोग्राम पर करीब 22 लाख रुपये खर्च होने की जानकारी सामने आने के बाद लोगों में गुस्से की लहर दौड़ गई है। खास बात यह है कि मंडप, साउंड सिस्टम, LED स्क्रीन, कैटरिंग, DJ, वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी वगैरह लगभग सभी काम एक ही कॉन्ट्रैक्टर को दिए गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, महिलाओं के नाश्ते और खाने पर 9 लाख 40 हजार रुपये से ज़्यादा खर्च किए गए हैं। इसके अलावा मंडप, कालीन, स्टेज, सोफा, कुर्सी, चाय, पीने का पानी, LED स्क्रीन, YouTube लाइव, लाइटिंग और डेकोरेशन पर भी काफी खर्च दिखाया गया है। शक इस बात से और पक्का हो गया है कि स्टेज बनाने का खर्च, जो लगभग 1.5 लाख रुपये था, दिखाया गया, जबकि भगवंती नवानी स्टेज पहले से ही मौजूद था।

मुख्य सवाल...

- सिर्फ़ 3 घंटे के प्रोग्राम के लिए 22 लाख रुपये क्यों खर्च किए गए?
- सभी कामों का कॉन्ट्रैक्ट एक ही कॉन्ट्रैक्टर को क्यों दिया गया?
- ट्रॉफी और गिफ्ट पर खर्च किस डिपार्टमेंट से किया गया?
- जब स्टेज अवेलेबल था तो अलग स्टेज बनाने पर खर्च क्यों दिखाया गया?
- जब मनपा की फाइनेंशियल हालत खराब है तो ऐसे खर्च का क्या मतलब है?

खर्च का ब्यौरा

महिलाओं और मेहमानों के लिए नाश्ते और खाने का इंतज़ाम	9,20,300
ज़मीन पर कालीन बिछाना	1,06,500
पवेलियन बनाना	1,08,000
चीफ़ गेस्ट के लिए सोफ़ा रेंटल	22,440
स्टेज बनाना (भले ही भगवंती नवानी स्टेज अवेलेबल हो)	1,49,950
3000 कुर्सियों का अरेंजमेंट	55,000
ज़मीन में पार्टीशन बनाना	88,500
चाय का अरेंज़मेंट	43,500
पीने के पानी का अरेंजमेंट	79,450
साउंड सिस्टम, वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी	66,970
YouTube लाइव ब्रॉडकास्ट	44,980
दो LED स्क्रीन	44,990
लाइटिंग और डेकोरेशन	54,930
50 लोगों को पगड़ी बांधना	74,900
ट्रॉफी और स्टील की बोतलें बांटना खर्च का रिकॉर्ड मौजूद नहीं है	
कुल खर्च (मनपा के अनुसार)	करीब 22 लाख

'घे भरारी' के साथ मनपा स्कूलों की बड़ी छलांग

■ विद्यार्थियों की गुणवत्ता सुधारने के लिए मनपा आयुक्त का खास कैंपेन

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा स्कूलों में स्टूडेंट्स को अच्छी क्वालिटी की शिक्षा देने के लिए खास सेतु अभ्यास उपक्रम 'घे भरारी' बुधवार से शुरू हो रही है। इसके तहत, मनपा कमिश्नर मनीषा अव्हाले ने स्टूडेंट्स की बेसिक स्किल्स जैसे पढ़ना, लिखना, इंग्लिश, मैथ्स और हैंडराइटिंग को बेहतर बनाने के लिए एक महीने के लिए खास एजुकेशनल कैंपेन लागू करने का फैसला किया है।

मनपा कमिश्नर ने हाल ही में स्कूल विजिट के दौरान स्टूडेंट्स से बातचीत करने और उनकी एकेडमिक प्रोग्रेस का रिव्यू करने के बाद, इस पहल को लागू करने का निर्देश दिया। इस पहल को असरदार तरीके से लागू करने के लिए, स्कूलों को एक साथ किया गया है ताकि हर क्लास में अलग टीचर हों, और टीचर्स को क्लास के हिसाब से प्लानिंग दी गई है।

स्टूडेंट्स की प्रोग्रेस का हर हफ्ते रिव्यू किया जाएगा और उनकी कमजोरियों पर खास ध्यान दिया जाएगा। सुधार पर नज़र रखी जाएगी। एडमिनिस्ट्रेशन ने प्रिंसिपल और टीचर्स से अपील की है कि वे इस पहल को सफल बनाने के लिए मिलकर काम करें और हर स्टूडेंट की पढ़ाई की प्रोग्रेस पर ध्यान दें।

'घे भरारी' पहल का मुख्य मकसद यह पक्का करना है कि महीने के आखिर में एक फाइनल टेस्ट करके क्वालिटी स्टूडेंट्स में से हर स्टूडेंट बेसिक एकेडमिक स्किल्स में काबिल हो। प्रोग्रेस में पॉजिटिव बदलाव लाना ही इस पहल की असली सफलता होगी।

– मनीषा अव्हाले,
मनपा आयुक्त, उल्हासनगर

नकली सोना देकर डॉक्टर को लगाया 5 लाख का चूना

■ पुलिस में अपराध हुआ दर्ज

अंबरनाथ. एक डॉक्टर को नकली सोना देकर दो महिलाओं एवं एक व्यक्ति ने 5 लाख रुपयों का चूना लगाया है. दांत के डॉक्टर का नाम हुजैफा रईस मोमिन है, जो भिवंडी गौरीपाड़ा का निवासी है. ये घटना शहर पूर्व में 9 मई से 19 जून 26 के बीच अंबरनाथ पूर्व में न्यू बॉम्बे होटल के सामने हुई है. आरोपी राजू प्रजापति (28), धंधा मजदूरी कामतघर भिवंडी निवासी, गंगा प्रजापति (27), राजू प्रजापति की माता (50) इन तीनों ने लगभग 40 दिनों तक डॉक्टर का विश्वास हासिल करके उन्हें बताया कि ये ऐतिहासिक सोने के सिक्के हैं, जो तुम्हें केवल 5 लाख रुपए में दे देंगे. 5 लाख रुपयों में ठहराकर अंबरनाथ पूर्व में स्टेशन के पास न्यू बाम्बे होटल के पास बुलाकर नकली सिक्के देकर 5 लाख रुपए लेकर चंपत हो गए. अक्सर ऐसा ही होता है कि नकली सिक्के जब ज्वेलर्स के पास बताए जाते हैं तो ज्वेलर्स उसे नकली बताते हैं. डॉक्टर को सोने के बजाय नकली सोना जैसा दिखने वाला पीले धातु के सिक्के दिए गए हैं. ये घटना दिनदहाड़े 11.30 बजे हुई है.

नाले की सफाई के दावों की पोल खुली

उल्हासनगर. पहली बारिश ने उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की तैयारियों की पोल खोल दी, जिसने दावा किया था कि उसने मानसून से पहले नाले की सफाई पूरी करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए हैं। कुछ ही मिनटों की बारिश में, अमन टॉकीज चौक, खेमानी रोड समेत शहर की कई मुख्य सड़कों पर पानी जमा हो गया और लोगों को सचमुच पानी से होकर अपना रास्ता बनाना पड़ा। इस स्थिति के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

मानसून की पहली बारिश ने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की बारिश से पहले की तैयारियों की कमियों को उजागर कर दिया है। कुछ ही मिनटों की बारिश में, अमन टॉकीज चौक, खेमानी रोड और इलाके की कई सड़कों पर पानी भर गया, जिससे ट्रैफिक धीमा हो गया। पैदल चलने वालों, रिक्शा चालकों और दोपहिया वाहनों को जमा हुए पानी से होकर निकलना पड़ा, जबकि कई वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

शहर में पानी से भरी सड़कों के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किए जा रहे हैं। लोग नाले की सफाई के खर्च और असल काम की क्वालिटी को लेकर कड़ी नाराजगी जता रहे हैं।

पहली बारिश में ही जलमय हुआ उल्हासनगर

■ शिवाजी चौक में पानी भरने से व्यापारी और वाहन चालके परेशान

उल्हासनगर. उल्हासनगर के विकास के कामों के लिए करोड़ों रुपये देने के बाद भी उल्हासनगर शहर के हालात अभी भी वैसे ही हैं, इसकी एक तस्वीर उल्हासनगर के कैंप नंबर 3 में शिवाजी चौक पर देखी जा सकती है। पहली बारिश में ही शिवाजी चौक की सड़क पानी में डूब गई है. केबी रोड में इस सड़क पर ड्राइवरों को सड़क पर भरे पानी में अपनी गाड़ियां चलाने में मुश्किल हो रही है। इसके अलावा सड़क के किनारे व्यापारियों की

दुकानों में भी पानी भर गया है, जिससे उनमें भी गुस्से का माहौल है।

कल्याण-बदलापुर सड़क का काम हाल ही में हुआ है। इसके अलावा, सड़क के किनारे नालियों का काम भी भारी बारिश में चल रहा है। असल में, इन नालियों का काम मानसून शुरू होने से पहले हो जाना चाहिए था। इस काम के लिए खोदी गई नालियां, उनमें जमा हुआ गंदा पानी और आधी-अधूरी बंद नालियां इस बात की निशानी हैं कि उल्हासनगर का विकास कैसे हो रहा है। शहर के कई हिस्सों में नालियों की ठीक से सफाई नहीं हुई है। पहली ही बारिश में शहर में कुछ जगहों पर नालियां जाम दिख रही हैं।

विकास के कामों के नाम पर बिज़ी रहने वाली महापौर और मनपा आयुक्त को उल्हासनगर शहर के कई हिस्सों में जाकर जांच करने की ज़रूरत है। लेकिन अगर पहली ही बारिश में यह हाल है, तो शहर में बाढ़ आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विधायक और सांसद उल्हासनगर के विकास के कामों के लिए करोड़ों रुपये दे रहे हैं। लेकिन नागरिकों का कहना है कि विकास के कामों के लिए इन पैसों का इस्तेमाल कैसे हो रहा है, इसकी जांच करना ज़रूरी है।

उल्हासनगर के कैंप नंबर 3 में शिवाजी चौक की सड़क, जिसे शहर की मुख्य सड़क माना जाता है, कुछ हद तक जाम है। हालांकि इस सड़क का काम पूरा हो गया है, लेकिन हाल ही में बनी सड़कों में भी दरारें आ गई हैं। इसके अलावा, पहली बारिश में ही इस सड़क पर पानी जमा होने से पानी भर जाता है और पानी निकलने का कोई रास्ता नहीं रहता। भारी बारिश में इस सड़क पर पानी भर सकता है। व्यापारी समुदाय समेत नागरिकों में यह बात है कि उल्हासनगर नगर निगम और लोक निर्माण विभाग के साथ-साथ स्थानीय MLA और MP को इस समस्या पर ध्यान देने की ज़रूरत है।

पिकअप का चेसिस दो हिस्सों में टूटा

कल्याण. कल्याण पश्चिम के आधारवाड़ी इलाके में मंगलवार सुबह एक चौंकाने वाली घटना हुई। एक ओवरलोडेड पिकअप गाड़ी का चेसिस दो हिस्सों में टूट गया और वह बीच सड़क पर खड़ी हो गई। अच्छी बात यह रही कि इस घटना में किसी को चोट नहीं आई। हालांकि, गाड़ी के सड़क में फंसने से इस रास्ते पर ट्रैफिक की स्पीड काफी धीमी हो गई। कुछ देर तक गाड़ियों की लंबी कतार लगने से लोगों को ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। खराब गाड़ी को एक तरफ करने के बाद धीरे-धीरे ट्रैफिक बहाल किया गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, अनुमान है कि गाड़ी ओवरलोड होने की वजह से चेसिस टूटी।

बॉस की प्रताड़ना से तंग आकर शहाड स्टेशन पर युवक ने की थी आत्महत्या

कल्याण. पांच महीने पहले शहाड रेलवे स्टेशन पर एक युवक ने आत्महत्या कर ली थी। 5 महीने बाद सुसाइड नोट मिलने से इस घटना का राज खुल गया है। सुसाइड नोट से चौकाने वाली जानकारी सामने आई। आरोप है कि मृतक युवक जिस कंपनी में काम करता था उस कंपनी के बॉस उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। बॉस की प्रताड़ना से पीड़ित युवक ने ट्रेन के नीचे आकर आत्महत्या कर ली थी। खुलासा होने के बाद कल्याण रेलवे पुलिस ने संबंधित बॉस पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का केस दर्ज किया है। कल्याण से सटे शहाड में रहने वाला युवक पंकज बडगुजर ठाणे की एक निजी कंपनी में नौकरी करता था। सितंबर 2025 में उसने कंपनी जॉइन की थी। शुरुआत में सब कुछ ठीक था, लेकिन कुछ दिनों बाद कंपनी के बड़े अधिकारी उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। बॉस की प्रताड़ना से परेशान होकर पंकज ने कुछ महीनों में ही नौकरी छोड़ दी। आरोप है कि कंपनी छोड़ने के बाद भी बॉस उसे परेशान करते रहें। जिससे तंग आकर पंकज ने शहाड स्टेशन पर ट्रेन के नीचे आकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली थी.

सुसाइड नोट ने खोला आत्महत्या का राज़..

पहले तो कल्याण जीआरपी ने आकस्मिक मौत का केस दर्ज किया था। इस मामले में ट्विस्ट तब आया जब पंकज के पिता को आत्महत्या से पहले पंकज द्वारा लिखी गई सुसाइड नोट मिली। नोट पढ़कर पंकज के पिता दंग रह गए। आत्महत्या से पहले पंकज ने सुसाइड नोट में लिखा था कि किस तरह कंपनी में उसे परेशान किया जा रहा था। नौकरी छोड़ने के बाद भी बॉस उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। जांच के बाद रेलवे पुलिस ने संबंधित बॉस पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का केस दर्ज कर दिया है और फरार बॉस की तलाश में जुट गई है।

अखबार विक्रेता क्षीरसागर की बेटी लतिका बनीं CA

कल्याण. वरिष्ठ अखबार विक्रेता और अखबार से जुड़े शैलेंद्र उर्फ राजू, पत्नी श्वेता क्षीरसागर की बेटी लतिका ने इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एसोसिएशन की तरफ से ली गई चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की परीक्षा पहली ही कोशिश में पास कर ली है। कल्याण शहर के अलग-अलग सेक्टर के लोगों और अखबार विक्रेता एसोसिएशन ने लतिका की कामयाबी पर खुशी जताई है।

शैलेंद्र उर्फ राजू क्षीरसागर पिछले 45 सालों से कल्याण शहर के सहजानंद चौक इलाके में अखबार बेचने और घरों तक अखबार पहुंचाने का काम कर रहे हैं। उनकी पत्नी श्वेता, बड़ा बेटा लतिका समय-समय पर इस काम में उनकी मदद करते हैं। अखबार बेचने के इस काम से मिले पैसों से राजू क्षीरसागर ने अपने बेटे और बेटी को पढ़ाई के सही रास्ते पर लाकर उन्हें आगे की पढ़ाई कराई है।

लतिका का सफर

लतिका क्षीरसागर ने कल्याण के होली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल से पढ़ाई की। उन्होंने मुलुंड कॉलेज ऑफ कॉमर्स से कॉलेज की पढ़ाई की। लतिका स्कूल लाइफ से ही नैचुरली इंटेलिजेंट थी। उसने मुलुंड कॉलेज से B.Com., M.Com. की डिग्री ली। उसने क्लास 12 से CA कोर्स के लिए शुरुआती पढ़ाई शुरू कर दी थी। उसने अपनी माँ, पिता और बड़े भाई के सपोर्ट और गाइडेंस से फाउंडेशन, इंटरमीडिएट, आर्टिकलशिप और CA फाइनल एग्जाम पूरे किए।

अंबरनाथ में 6 मीटर रास्ते को 9 मीटर करने की जिलाधिकारी ने दी मान्यता

■ 3 जुलाई को नपा की सभा में आएगा मुद्दा

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद की जनरल बॉडी मीटिंग 3 जुलाई को नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले पाटिल ने आयोजित की है, जिसमें 40वें क्रमांक पर नगर रचनाकार का एक मुद्दा बहुत ही अहम है. अंबरनाथ नगर परिषद क्षेत्र में विद्यमान व रेखांकन किए गए मंजूरी में 6 मीटर रास्तों को 9 मीटर तक चौड़ा करने के लिए मान्यता देने बाबत इस संबंध में ठाणे जिलाधिकारी ने मुख्याधिकारी अंबरनाथ नगर परिषद को 6 मीटर रास्तों को 9 मीटर चौड़ा करने की मान्यता दे दी है. इस संबंध में अंबरनाथ के मुख्याधिकारी ने 15.5.2026 को रास्ते को चौड़ा करने की अनुमति मांगी थी. रास्ते को चौड़ा करने के लिए अंबरनाथ नगर परिषद ने 17.10.2025 को प्रशासकीय प्रस्ताव क्र. 851 को मंजूरी दी है. जिलाधिकारी ने कुछ शर्तों के साथ 6 मीटर एवं 7.30 मीटर रास्तों को 9 मीटर रास्ते के लिए मान्यता दी है.

नगर परिषद व नगर पंचायती औद्योगिक नगरी अधिनियम 1965 के कलम 176 (5)नुसार अंबरनाथ शहर के रास्तों को 6 से 9 मीटर चौड़ा करने को मान्यता दी गई है. बदलापुर, कल्याण, उल्हासनगर शहरों में 9 मीटर रास्ते चौड़े किए गए हैं. अब 3 जुलाई को सभागृह में मंजूरी मिलने पर शहर के रास्ते चौड़ा करने को गति मिलेगी. रास्ते चौड़ा होने पर शहर में हो रहे ट्रैफिक जाम की समस्या दूर होगी. शहर में बिल्डिंगों के निर्माण में एवं उनको जाने आने में आसानी होगी. खासकर के फायर ब्रिगेड, स्कूली बसों, एम्बुलेंस को चौड़ा रास्ते मिलने पर वह अपने गंतव्य स्थान पर आसानी से जा आ सकेंगे. शहर को तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ने में मदद मिलेगी, ऐसा शहरवासियों ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा है.

महेश अग्रवाल लगातार दूसरी बार 'शिक्षा विभूषण' अवार्ड से सम्मानित

राजस्थान सरकार ने किया रीजेंसी ग्रुप के सीएमडी महेश अग्रवाल का सम्मान

जयपुर। शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रीजेंसी ग्रुप के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक महेश खैरारी (अग्रवाल) को लगातार दूसरी बार राजस्थान सरकार के प्रतिष्ठित 'शिक्षा विभूषण' सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान सोमवार 29 जून को जयपुर स्थित बिड़ला सभागार में आयोजित 30वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। महेश अग्रवाल की ओर से यह सम्मान रीजेंसी ग्रुप के निदेशक एवं उनके भाई सुभाष अग्रवाल ने ग्रहण किया।

राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा तथा शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्कूल शिक्षा) राजेश यादव, माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद् एवं प्रदेशभर से आए अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राजस्थान सरकार की भामाशाह सम्मान योजना के अंतर्गत शिक्षा के क्षेत्र में एक करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देने वाले दानदाताओं को 'शिक्षा विभूषण' तथा 30 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये का योगदान देने वालों को 'शिक्षा भूषण' सम्मान प्रदान किया जाता है। रीजेंसी ग्रुप के सीएमडी महेश अग्रवाल को झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी स्थित पीएम श्री राउमा विद्यालय के भवन निर्माण, आधुनिकीकरण, अतिरिक्त कक्षों के विकास, भूमि सहयोग तथा अन्य शैक्षणिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

पश्चिम एशिया में समझौते पर संकट के बादल

पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त करने को लेकर हुए प्रारंभिक समझौते से यह माना जा रहा था कि क्षेत्र में शांति कायम करने का स्थायी हल निकाल लिया जाएगा और वैश्विक स्तर पर पैदा हुए ऊर्जा संकट से भी राहत मिलेगी। मगर अमेरिका और ईरान के फिर तल्ख होते तेवर से अब इस समझौते पर ही संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिका के हवाई हमलों के जवाब में ईरान ने बीते रविवार को बहरीन और कुवैत में कई स्थानों को ड्रोन एवं मिसाइलों से निशाना बनाया।

हालांकि अमेरिका की ओर से कहा जा रहा है कि ताजा घटनाक्रम का द्विपक्षीय बातचीत पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन ईरान ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि उसके क्षेत्र में हमले जारी रहे, तो युद्ध खत्म करने के लिए जारी वार्ता पूरी तरह रोकी जा सकती है। यह विचित्र है कि एक तरफ दोनों देशों ने समझौते को स्थायी रूप से लागू करने के लिए शांति वार्ता को लेकर प्रतिबद्धता जताई है और इस बीच वार-पलटवार का सिलसिला भी जारी है।

मौजूदा हालात में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि अमेरिका और ईरान इस समझौते को लेकर वास्तव में गंभीर हैं भी या नहीं? यह आशंका इसलिए गहरा रही है, क्योंकि दोनों देशों की ओर से समझौते के नियमों का पालन करने को लेकर कोई संजीदगी नजर नहीं आती है। हमले और वार्ता दोनों साथ-साथ कैसे चल सकते हैं? और अगर ऐसा होता भी है, तो जाहिर है कि कोई सकारात्मक परिणाम सामने आने की गुंजाइश बेहद कम होगी।

अमेरिका के रुख के बाद ईरान की ओर से बहरीन और कुवैत पर ये हमले ऐसे समय हुए, जब अमेरिकी नौसेना की निगरानी में काम करने वाली एक बहुराष्ट्रीय समुद्री संस्था ने बीते शनिवार को कहा कि होर्मुज जलमार्ग में ओमान के पास स्थित एक मार्ग का विस्तार किया जाएगा, ताकि उससे खाड़ी में प्रवेश करने और बाहर जाने वाले पोतों की आवाजाही आसान हो सके। इस कदम से अमेरिका और ईरान के बीच टकराव का एक नया मोर्चा खुल सकता है, क्योंकि ईरान इस महत्त्वपूर्ण जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पर अपना पूरा नियंत्रण बनाए रखना चाहता है।

विमर्श

सहयोग के नए दौर में भारत और फ्रांस

फ्रांस की अध्यक्षता में इस साल हुए जी-7 समिट के नाकाम हो जाने की कई वजहें थीं। कई झगड़े, समुद्री व्यापार के रास्तों में रुकावट, ऊर्जा संकट, महामारी का फैलना, ग्लोबल मैक्रो-इकोनमिक असंतुलन, मदद के तरीकों में रुकावट और विभाजित विश्व की वजह से दांव पर बहुत कुछ लगा था। फिर भी 15 से 17 जून तक फ्रांस के एवियन में जो हुआ, वह एक साथ आने का दुर्लभ मौका था। नेताओं के बीच सहयोग से बड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए ठोस वादे मुमकिन हो पाए।

यह सफलता न केवल जी-7 सदस्य देशों (कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका) के बीच, बल्कि जी-7 प्लस के जरूरी सहयोगी देशों-खासकर भारत और साथ ही ब्राजील, मिस्र, केन्या और दक्षिण कोरिया के साथ भी करीबी तालमेल का नतीजा थी। यूक्रेन, यूएई और कतर को भी अपनी राय देने के लिए नेताओं के समिट में बुलाया गया था। इस अनोखे जी-7 प्लस फार्मेट के जरिये फ्रांस की अध्यक्षता ने न केवल समिट में, बल्कि समिट से पहले तैयारी की प्रक्रिया के दौरान भी पहली बार भारत और सहयोगी देशों के अनुभव और विजन का इस्तेमाल करने का फैसला किया।

भारत और फ्रांस के जी-7 के साथ रिश्ते बहुत पुराने हैं। जी-7 के साथ भारत का जुड़ाव 2003 में फ्रांस के न्योते पर एवियन में शुरू हुआ था। इस साल समिट में भारत की 13वीं और प्रधानमंत्री मोदी की लगातार सातवीं भागीदारी थी, जब फ्रांस ने अपनी पिछली अध्यक्षता के

दौरान भारत को जी-7 बियारिट्ज समिट में बुलाया था। इस साल जी-7 प्लस में भारत का योगदान सभी मामलों में अहम था, खासकर स्वास्थ्य और डिजिटल टेक्नोलाजी से जुड़ी ग्लोबल चुनौतियों पर। जी-7 नेताओं ने सर्वसम्मति से नौ घोषणाओं को अपनाया और कई को सहयोगी देशों का समर्थन मिला। ये हमारी बड़ी साझा सफलताएं थीं। जी-7 ने यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता, रक्षा और ऊर्जा बुनियादी ढांचे के समर्थन के मामले में मजबूत एकजुटता और संकल्प दिखाया। हमने हाल के महीनों में युद्ध के मैदान में यूक्रेन के साहस की तारीफ़ की और उस नई गति पर जोर दिया, जिससे इस आक्रामक युद्ध का न्यायपूर्ण और अंतिम समाधान निकल सकता है।

हमने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते का स्वागत किया और होर्मुज से बिना किसी रोक-टोक या टोल के आने-जाने के अधिकार को फिर से दोहराया। हमने लेबनान में तुरंत और मजबूत युद्धविराम की भी पुरजोर मांग की, क्योंकि यह बहुत जरूरी है। मैक्रो-इकोनमिक असंतुलन से निपटने के लिए नेताओं ने संतुलित, टिकाऊ और मजबूत विकास का समर्थन किया। उन्होंने माना कि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करते हुए, उद्योगों और नौकरियों की रक्षा करते हुए, और भविष्य के व्यापार युद्धों और वित्तीय संकटों से बचते हुए आर्थिक नीतियों में सहयोग और समन्वय सभी के हित में है। चूंकि इस बड़ी चुनौती के समाधान में सभी की भागीदारी जरूरी है, इसलिए फ्रांसीसी अध्यक्षता ने चीन के साथ रचनात्मक जुड़ाव को प्राथमिकता दी। चीन ने जी-7 एवियन शिखर सम्मेलन से पहले विकास के लिए एक अभूतपूर्व वर्चुअल सम्मेलन में भाग लिया, जो 20 वर्षों में पहली बार हुआ।

डिजिटल तकनीक और एआइ पर, इंडिया एआइ इम्पैक्ट समिट के बाद जी-7 प्लस नेताओं ने बच्चों की आनलाइन सुरक्षा को बेहतर बनाने पर सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की। हम एआइ सुरक्षा जोखिमों का सामना कर रहे लोकतंत्रों के बीच सहयोग के लिए एक साझा मंच बनाने की योजना बना रहे हैं ताकि साझा मानक स्थापित किए जा सकें। जी-7 प्लस सदस्य सुरक्षित और लाभकारी एआइ के इस्तेमाल को तेज करने के लिए प्रमुख कंपनियों के साथ काम करेंगे। इसमें भारत की सर्वम एआइ भी शामिल है।

स्वास्थ्य मुद्दों पर व्यापक सहमति बनी। जी-7 नेताओं और सहयोगी देशों ने इबोला वायरस से प्रभावित लोगों के प्रति समर्थन का संदेश दिया और संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों के अनुरूप एक अरब डालर से अधिक की धनराशि देने का वादा किया। कैंसर से निपटने पर पहली बार जी-7 का बयान भी जारी हुआ।

हमारी आत्मा का बाहरी रूप ध्यान है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

स्वास्थ्य व्यवस्था में भ्रष्टाचार की जड़ें

आमतौर पर सभी सरकारें जनता के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर सबसे ज्यादा ध्यान देने का भरोसा देती हैं, लेकिन इस महकमे में पसरी अव्यवस्था और लोगों को होने वाली असुविधाओं के वास्तविक कारणों को दूर करने को लेकर शायद ही कभी संजीदा होती हैं। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों में जिस तरह के घोटाले का खुलासा हुआ, उससे एक बार फिर यही पता चलता है कि सरकारों के लिए आम नागरिकों को एक सुव्यवस्थित और पारदर्शी स्वास्थ्य तंत्र मुहैया कराने का मुद्दा किस हद तक उपेक्षित है।

गौरतलब है कि दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग में दवाओं, शल्य चिकित्सा संबंधी सामग्री सहित अन्य उपकरणों की खरीद में कुछ समय पहले करीब साढ़े छह सौ करोड़ रुपए का घोटाला उजागर हुआ। अब इसी मामले की छानबीन के क्रम में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रविवार को दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के दो पूर्व अधिकारियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपों के मुताबिक, स्वास्थ्य सेवाओं की पूर्व महानिदेशक के अधीन संचालित केंद्रीय खरीद एजंसी के जरिए शल्य चिकित्सा से जुड़े उपकरणों और अन्य चिकित्सा सामग्री की खरीद में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरती गई।

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी

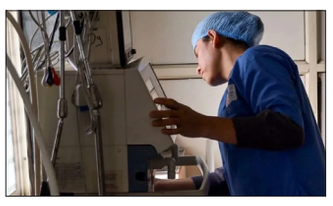

कि जिन अस्पतालों पर एक बड़ी आबादी अपनी बीमारियों के इलाज से लेकर आपात स्थिति में जान बचाने तक के लिए निर्भर होती है, उसे संचालित करने वाले अधिकारी खुद भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जा रहे हैं। यह छिपा तथ्य नहीं है कि सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए आमतौर पर समाज का वही तबका जाता है, जो निजी अस्पतालों में महंगे इलाज का खर्च वहन नहीं कर पाता है।

सरकारी अस्पतालों में इलाज के क्रम में अक्सर मरीजों को चिकित्सा सामग्री की कमी का सामना करना पड़ता है, उनके परिजनों को अपने पैसे से दवा या अन्य चिकित्सा उपकरण बाहर से खरीदने पड़ते हैं। जबकि सामान्य स्थितियों में अस्पतालों में मरीजों के इलाज के लिए दवाओं से लेकर अन्य चिकित्सा सामग्री सरकार की ओर से मुहैया कराई जाती है। मगर जब संसाधनों की खरीद से जुड़े अधिकारी ही दवा और अन्य जरूरी उपकरणों की खरीद को निजी कमाई और भ्रष्टाचार का जरिया बना लें, तो मरीजों के प्रति उनकी संवेदनहीनता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सवाल है कि इस स्तर का भ्रष्टाचार लंबे समय तक कैसे जारी रह पाता है और सरकार के तहत काम करने वाली भ्रष्टाचार निरोधक एजंसी तथा अन्य निगरानी तंत्र क्या कर रहे होते हैं। देश की राजधानी होने के नाते उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में शासन-तंत्र अपेक्षया बेहतर तरीके से काम करता होगा और किसी भी महकमे में भ्रष्टाचार को रोकने को लेकर ज्यादा चौकस होगा। मगर अलग-अलग विभागों में अक्सर जिस तरह की अनियमितताएं सामने आती रही हैं, उससे साफ है कि यहां भी अन्य जगहों की तरह ही भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को समय पर रोक पाना एक मुश्किल काम है।

यह ध्यान रखने की जरूरत है कि स्वास्थ्य महकमे में होने वाला घोटाला सीधे-सीधे आम जनता की सेहत और जीवन से जुड़ा मसला है। स्थानीय स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर बड़े अस्पतालों तक में चिकित्सा संसाधनों के अभाव के मामले जगजाहिर रहे हैं।

साधारण और गरीब तबकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के बजाय अस्पतालों में जारी भ्रष्टाचार पर अगर रोक नहीं लग पा रही है, तो सरकार के जनहित में व्यापक कल्याण कार्यक्रम संचालित करने के दावों को कैसे देखा जाएगा?

दुकानों में दुकानदार नहीं, ईमान पर चलता है धंधा

जरा हट के

आज कलियुग चल रहा है. राम राज्य में लोग काफी ईमानदार होते थे. उस समय चोरी, धोखेबाजी जैसी चीजें नहीं थी. लेकिन अब इसकी बस कल्पना ही की जा सकती है. लेकिन भारत के नागालैंड में आपको ऐसा नजारा देखने को मिलेगा, जिसके बाद लगेगा कि यहां आज भी राम राज्य चल रहा है. यहां लोग इतने ईमानदार हैं कि दुकानों में दुकानदार के रहने की जरुरत नहीं होती.

सोशल मीडिया पर नागालैंड घूमने आए कई टूरिस्ट्स इसका वीडियो बनाकर शेयर करते हैं. यहां आपको कई दुकानें मिल जाएगी, जहां सामान रखा है लेकिन कोई दुकानदार नहीं है. लोग अपनी जरुरत की चीजों को उठाकर स्कैनर में या कैशबॉक्स में पैसे डाल देते हैं. नागालैंड की यह अनोखी ईमानदारी पूरे देश के लिए मिसाल है. खासकर छोटे गांवों और कुछ शहरों की

दुकानों में यह व्यवस्था आम है. पर्यटक जब यहां घूमने जाते हैं तो इस सिस्टम को देखकर हैरान रह जाते हैं.

कैसे चलती है दुकान?

यहां कई दुकानें हैं जो दिनभर खुली रहती है. यहां सामान रखा रहता है. ग्राहक खुद दुकान में घुसकर सामान चुनता है. कीमत चेक करने के लिए स्कैनर या प्राइस लिस्ट का इस्तेमाल करता है. इसके बाद पैसे कैशबॉक्स में डालता है या ऑनलाइन पेमेंट करता है. अगर जरूरत हो तो चेंज खुद ले लेता है. दुकानदार आसपास के काम में व्यस्त रहता है. शाम को गिनती करके देखता है कि सब ठीक है. चोरी के मामले बेहद कम या ना के बराबर होते हैं.

नागालैंड पूर्वोत्तर भारत का एक सुंदर राज्य है. यहां की जनजातियां अपनी परंपराओं, ईमानदारी और सामुदायिक जीवन के लिए जानी जाती हैं. लोग एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं. सामुदायिक मूल्य इतने मजबूत हैं कि कोई गलत काम करने से पहले दस बार सोचता है. यहां अपराध दर भी कम है. पर्यटक बताते हैं कि ना सिर्फ दुकानें बल्कि अन्य सेवाओं में भी यह भरोसा दिखता है. टैक्सी वाले सही किराया लेते हैं, होमस्टे मालिक अतिरिक्त चार्ज नहीं करते. यह व्यवस्था आधुनिक दुनिया में विरले ही देखने को मिलती है.

लहसुनी बैंगन फ्राई

खाना-खजाना

सामग्री

- बैंगनः 1 बड़ा
- लहसुनः 8-10 कलियां
- बेसन या चावल का आटाः 2-3 चम्मच
- हल्दी पाउडरः आधा छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडरः स्वादानुसार
- धनिया पाउडर : 1 छोटा चम्मच
- अमचूर पाउडर या चाट मसालाः 1 छोटा चम्मच
- नमकः स्वादानुसार
- तेलः शैलो फ्राई करने के लिए
- हरा धनियाः सजावट के लिए

विधि

सबसे पहले बड़े बैंगन को धोकर पोंछ लें। अब इसे गोल और थोड़े मोटे स्लाइस में काट लें। ध्यान रहे, स्लाइस बहुत पतले न हों, वरना वे फ्राई करते समय टूट सकते हैं। एक प्लेट में हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, अमचूर, कुटा हुआ लहसुन, नमक और बेसन या चावल का आटा डालकर

अच्छी तरह मिला लें। आप चाहें तो इसमें थोड़ा सा तेल या पानी की कुछ बूंदें डालकर एक गाढ़ा पेस्ट भी बना सकते हैं। अब बैंगन के हर स्लाइस पर तैयार किया हुआ मसाला अच्छे से दोनों तरफ लगाएं। इसे 5 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें ताकि बैंगन सारे मसालों का स्वाद सोख ले। गैस पर एक पैन या तवा रखें और उसमें 2-3 चम्मच तेल डालकर गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए, तो बैंगन के स्लाइस को तवे पर रख दें। गैस की आंच धीमी या मध्यम रखें। जब बैंगन एक तरफ से सुनहरे और क्रिस्पी हो जाएं, तो उन्हें पलट दें और दूसरी तरफ से भी अच्छी तरह सेंक लें। गरमा-गरम और क्रिस्पी 'लहसुनी बैंगन फ्राई' तैयार है। इसे ऊपर से थोड़ा-सा चाट मसाला और हरा धनिया डालकर गार्निश करें। आप इसे दाल-चावल के साथ साइड डिश के रूप में, या फिर गर्मा-गर्म पराठों के साथ परोस सकते हैं। यकीन मानिए, एक बार इस तरह से बैंगन बनाकर देखिए, अगली बार बच्चे खुद आपसे इसे बनाने की फरमाइश करेंगे।

हार्ट अटैक से 14 दिन पहले शरीर देता है ये 6 संकेत

भूलकर भी न करें नज़रअंदाज़, वरना हो सकता है भारी नुकसान

आजकल हार्ट अटैक एक गंभीर समस्या बन गया है, लेकिन इसके लक्षण हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं. कुछ लोगों को हार्ट अटैक या सर्जरी से कई दिन पहले ही शुरुआती संकेत मिल सकते हैं, जबकि कुछ लोगों को कोई चेतावनी नहीं मिलती. इसलिए, यह कहना गलत होगा कि हर किसी में अटैक से ठीक 14 दिन पहले ये लक्षण दिखाई देते हैं. फिर भी, कुछ ऐसे लक्षण हैं जिन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए. आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से...

■ छाती में दर्द या दबाव

जानकारों के अनुसार, छाती में भारीपन, दबाव, कसाव या जलन महसूस होना हार्ट अटैक का सबसे आम लक्षण माना जाता है. यह दर्द कुछ मिनटों तक रह सकता है या आ-जा सकता है. अगर आराम करने के बाद भी यह ठीक न हो, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें.

■ सांस लेने में तकलीफ

अगर बिना ज़्यादा मेहनत किए सांस फूलने लगे या सीढ़ियां चढ़ने जैसे रोज़मर्रा के कामों में दिक्कत हो, तो इसे नज़रअंदाज़ न करें. यह दिल से जुड़ी समस्या का संकेत हो सकता है.

■ बहुत ज़्यादा थकान

अगर आपको बिना किसी साफ़ वजह के कई दिनों तक लगातार कमज़ोरी या असामान्य थकान महसूस हो खासकर महिलाओं में तो यह दिल से जुड़ी समस्या का शुरुआती संकेत हो सकता है.

■ शरीर के दूसरे हिस्सों में दर्द फैलना

दिल से जुड़ा दर्द सिर्फ़ छाती तक ही सीमित नहीं रहता. यह बाएं हाथ, दोनों हाथों, कंधों, गर्दन, पीठ, जबड़े या पेट के ऊपरी हिस्से तक फैल सकता है. ऐसे लक्षणों को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए.

■ ठंडे पसीने आना, जी मिचलाना या चक्कर आना

अचानक ठंडे पसीने आना, जी मिचलाना, उल्टी जैसा महसूस होना या चक्कर आना भी कुछ लोगों में हार्ट अटैक के लक्षण हो सकते हैं, खासकर अगर इनके साथ छाती में दर्द भी हो.

■ बेचैनी या घबराहट

कुछ लोगों को हार्ट अटैक से पहले अचानक घबराहट, बेचैनी या ऐसा एहसास हो सकता है कि 'कुछ गड़बड़ है'. हालांकि, अकेले यह हार्ट अटैक का पक्का संकेत नहीं है, लेकिन अगर दूसरे लक्षणों के साथ ऐसा हो, तो आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए.

■ हार्ट अटैक का ख़तरा कम करने के लिए क्या किया जा सकता है?

संतुलित और दिल के लिए फ़ायदेमंद डाइट लें, नियमित रूप से व्यायाम करें, धूम्रपान और तंबाकू से बचें, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की नियमित जांच करवाएं, और तनाव कम करने के लिए रिलैक्सेशन तकनीक अपनाएं और भरपूर नींद लें.

आज का राशिफल

मेष : कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। समय अनुकूल है।

वृषभ : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। कष्ट संभव है।

मिथुन : कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कर्क : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

सिंह : किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। कुसंगति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

कन्या : धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे।

तुला : धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। भाग्य का साथ रहेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा। शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा।

वृश्चिक : किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कष्ट व भय सताएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा।

धनु : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश सोच-समझकर करें। राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है।

मकर : प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कुंभ : दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा।

मीन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है। किसी न्यायपूर्ण बात का भी विरोध हो सकता है। विवाद न करें। कुबुद्धि हावी रहेगी। चोट व रोग से बचें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कटहल है औषधियों का खजाना!

एक ऐसे सब्जी, फल, जिसका हर हिस्सा ही गुणों का भंडार है. जी हां कटहल का वृक्ष, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी और गुणकारी होता है. इसे प्रकृति का अनमोल उपहार माना जाता है. गर्मियों और बरसात के मौसम में बाजारों में नजर आने वाला कटहल न केवल भरपूर स्वाद देता है, बल्कि सेहत का भी बेशकीमती खजाना माना जाता है. आयुर्वेद से लेकर आधुनिक पोषण विज्ञान तक, इसके फल, बीज, पत्ते और छाल के गुणों की चर्चा होती आ रही है. इसी के चलते, कटहल को प्राकृतिक औषधियों की श्रेणी में रखा गया है. आइए जानते हैं कटहल के हर हिस्से के चौंकाने वाले फायदे.

कटहल का गूदा शरीर को तुरंत ऊर्जा देने वाला एक प्राकृतिक स्रोत है. बताया कि, इसमें कार्बोहाइड्रेट और कई आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो थकान दूर करने में बेहद मददगार होते हैं. इसमें विटामिन-सी की अच्छी मात्रा पाई जाती हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है. इसी के कारण, यह मौसमी संक्रमण बीमारियों का खतरा भी कम करती हैं. यह फाइबर से भरपूर होता हैं, जो पाचन तंत्र को सक्रिय कर कब्ज जैसी परेशानियों से छुटकारा दिलाने में मदद करता है. इसमें पोटेशियम भी पाया जाता है, हृदय स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है.

अब बात करते हैं कटहल की पत्तियों का, यह पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में लंबे समय से उपयोगी रही हैं. यह एंटीबैक्टीरियल और सूजनरोधी गुण से भरपूर होती हैं, जो घाव, फोड़े-फुंसी और त्वचा संबंधी समस्याओं को कम कर सकती हैं. बताया जाता हैं कि, इसके पत्तों का अर्क ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को सही रखने में भी लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं.

बात अगर कटहल के बीज की करें, तो यह भी किसी सुपरफूड से कम नहीं हैं. इसमें मौजूद प्रोटीन और डाइटरी फाइबर मांसपेशियों को मजबूती देने और वजन कंट्रोल में मददगार हो सकता है. यही नहीं, इसके बीजों में एंटीऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को फ्री-रेडिकल्स से बचा सकते हैं. कुछ हदतर कैंसर के जोखिम को कम करने में भी इसको सहायक माना गया है. यह त्वचा की चमक और बालों की सेहत के लिए भी बहुत बढ़िया है.

अभी इसका छाल तो बाकी ही है, जी हां इसका उपयोग जोड़ों के दर्द, सूजन, खांसी, सर्दी और अस्थमा जैसी समस्याओं भी किया जा सकता है. इसका दूध भी आयुर्वेद में बाहरी उपयोगी बताया गया है. लेकिन मधुमेह के मरीज कटहल या उसके औषधीय अर्क का अधिक सेवन करने से पहले डॉक्टर से संपर्क जरूर करें. हमेशा ध्यान रखें कि, किन्हीं परिस्थितियों में बहुत फायदेमंद चीज भी हानिकारक हो सकती है. इसलिए बगैर चिकित्सक से परामर्श लिए इसका सेवन न करें.

बरसात में मक्खियों ने कर रखा है जीना मुश्किल?

बरसात का मौसम आते ही घरों में मक्खियों की समस्या बढ़ जाती है. नमी और ठंडे माहौल की वजह से मक्खियां रसोई, डाइनिंग एरिया और खाने-पीने की जगहों पर ज्यादा दिखाई देती हैं. यह सिर्फ परेशानी का कारण नहीं बनतीं, बल्कि खाने को दूषित कर कई तरह की बीमारियां फैलाने का खतरा भी बढ़ा देती हैं.

मक्खियों को दूर भगाने का सबसे आसान और असरदार घरेलू उपाय नींबू और नमक का घोल है. इसके लिए पानी में नींबू का रस और थोड़ा सा नमक मिलाकर अच्छी तरह घोल तैयार करें. इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में भर लें और उन जगहों पर छिड़काव करें, जहां मक्खियां सबसे अधिक दिखाई देती हैं. नींबू की तेज खुशबू और नमक के प्रभाव से मक्खियां उस स्थान से दूर रहने लगती हैं. यह उपाय आसान, किफायती और घर में अपनाने के लिए बेहद उपयोगी माना जाता है.

धौलपुर की गृहिणी प्रभा शर्मा बताती हैं कि कपूर का धुआं मक्खियों को भगाने का बेहद प्रभावी घरेलू उपाय है. इसके लिए एक सुरक्षित बर्तन में कपूर जलाकर उसका धुआं पूरे घर में फैलने दें. कपूर की तेज महक मक्खियों को पसंद नहीं आती, जिससे वे घर से बाहर चली जाती हैं. जब तक कपूर की खुशबू बनी रहती है, मक्खियां दोबारा घर के अंदर आने से बचती हैं. यह उपाय आसान, किफायती और रसायन मुक्त होने के कारण घरों में काफी लोकप्रिय माना जाता है.

तेज पत्ता भी मक्खियों को दूर भगाने का एक प्रभावी घरेलू उपाय माना जाता है. इसके लिए 2 से 3 तेज पत्तों को सुरक्षित तरीके से जलाकर उनका धुआं रसोई, कमरे या उन स्थानों पर फैलाएं, जहां मक्खियां अधिक आती हैं. तेज पत्ते की तेज सुगंध और धुएं का प्रभाव मक्खियों को उस जगह से दूर रखने में मदद करता है. यह आसान, कम खर्च वाला और रसायन मुक्त उपाय है, जिसे घरों में लंबे समय से अपनाया जाता रहा है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मरीज को लात मारने वाली महिला कर्मचारी सस्पेंड, गुस्से में डिप्टी CM; जांच का आदेश

रायबरेली. उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले के जिला अस्पताल से मन खराब कर देने वाला एक वीडियो सामने आया है। इसमें अस्पताल के एक वार्ड में तैनात महिला सफाई कर्मचारी मानसिक रूप से विक्षिप्त एक मरीज को लात मारती दिख रही है। वीडियो देख ऐक्शन में आए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने मामले की गहनता से जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि किसी मरीज के साथ दुर्व्यवहार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए सीएमएस ने महिला सफाई कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया है। उन्होंने कहा है कि जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद महिला कर्मचारी के खिलाफ आगे की विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

बहू ने सास को मारा चाकू, प्रेमी से मोबाइल पर बात करते समय टोकने पर भड़की

गोरखपुर. गोरखपुर में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक बहू ने अपनी सास पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू मारे जाने से सास बुरी तरह घायल हो गईं। गंभीर हालत में इलाज के लिए उन्हें गोरखपुर के एम्स में भर्ती कराया गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। शुरुआती जांच-पड़ताल में पता चला है कि बहू मोबाइल पर अपने प्रेमी से बात कर रही थी। इसी दौरान सास ने उसे टोक दिया जिससे भड़ककर बहू ने चाकू से सास पर हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, परिवार के लोगों ने बताया कि बहू का किसी युवक से लंबे समय से संपर्क है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर ट्रेलर में जा घुसी बस, ड्राइवर समेत चार लोगों की मौत, 27 घायल

मथुरा. यूपी के मथुरा से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। जहां यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के राया थाना क्षेत्र में एक बस अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रेलर में जा भिड़ी। इस हादसे में बस ड्राइवर समेत चार लोगों की मौत हो गई। जबकि 27 यात्री घायल हो गए। उधर, सूचना मिलते ही पुलिस, टोल टीम और राहत दल मौके पर पहुंचे तथा घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, बस सोमवार रात लखनऊ से 45 यात्रियों को लेकर दिल्ली जा रही थी। मंगलवार सुबह करीब 3:41 बजे राया कट के पास माइलस्टोन 112-113 के बीच मैनपुरी के रहने वाले चालक उपदेश यादव को झपकी आने से बस अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रेलर से टकरा गई।

नाबालिगों संग कुकर्म करता था मुतव्वली, दरिंदगी से दुखी होकर कर दी हत्या, दो गिरफ्तार

यूपी के सहारनपुर में हुई डेढ़ महीने पहले मस्जिद में हुई मुतव्वली की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मुतव्वली की हत्या करने वाले दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने हत्या करना स्वीकार किया है। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि मुतव्वली उनके साथ कुकर्म करता था। रोज-रोज की दरिंदगी से परेशान होकर उन्होंने मुतव्वली को मौत के घाट उतारने की योजना बनाई। उन्होंने सिर में डंडे मारकर मुतवल्ली की हत्या कर दी और शव को मस्जिद के पीछे फेंक दिया था। आरोपियों के पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त डंडा भी बरामद कर लिया है।

पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाना एक एक्सपेरिमेंट

- सरकार बोली- असर अगले साल पता चलेगा
- सुप्रीम कोर्ट का मौजूदा सप्लाई पॉलिसी जारी रखने का आदेश

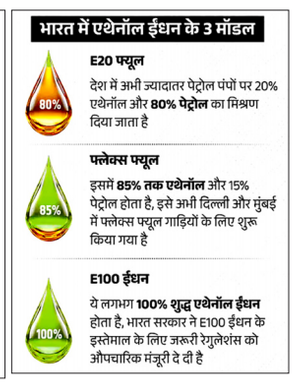

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाने की सरकार की E20 योजना पर सुनवाई हुई। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाने का प्रोग्राम अभी भी एक्सपेरिमेंट है। इसका पूरा असर अगले साल तक पता चलेगा।

केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने कहा कि E20 पॉलिसी में किसी बदलाव की योजना नहीं है। हालांकि, अलग-अलग कंपनियों को एथेनॉल का आवंटन मांग और उपलब्धता के आधार पर बढ़ाया या घटाया जा सकता है, इसलिए मौजूदा सप्लाई पॉलिसी फिलहाल जारी रहेगी।

वहीं सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है, जिसमें एक कंपनी के एथेनॉल सप्लाई पर पुनर्विचार कर उसे बढ़ाने की मांग पर फैसला लेने को कहा गया था। साथ ही कोर्ट ने इस मामले में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) की याचिका पर नोटिस जारी किया है।

हम पाकिस्तान में नहीं हैं...

हम पाकिस्तान में नहीं हैं... ये कहना है पीओके में प्रदर्शन करने वाले प्रदर्शनकारियों का। दरअसल, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (POK) में सरकार विरोधी आंदोलन और तेज हो गया है। वे पाक सरकार के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने खुलकर कहा कि यह क्षेत्र पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है और चेतावनी दी कि अगर इस्लामाबाद खाद्य आपूर्ति रोकना जारी रखा तो वे 'अन्य रास्ते' अपनाने को मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि POK के कश्मीरी किसी भी तानाशाह (शाहबाज शरीफ और आसिम मुनीर) को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

राम मंदिर जाने से पहले अजय राय गिरफ्तार!

अयोध्या. यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय को राम मंदिर जाने से पहले ही गिरफ्तार कर पुलिस अपने साथ लेकर चली गई है। अजय राय ने कांग्रेस के नौ सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल के साथ मंगलवार को राम मंदिर जाकर रामलला का दर्शन करने का ऐलान किया था। अयोध्या के श्री पैलेस होटल में ठहरे अजय राय को सोमवार देर रात पहले हाउस अरेस्ट करने की बात सामने आई थी।

पाकिस्तान बोला- हमारा पानी रोका तो हाथ काट देंगे

- सिंधु जल संधि अब भी लागू
- भारत इसे एकतरफा खत्म नहीं कर सकता

इस्लामाबाद. पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर एक बार फिर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा कि अगर किसी ने पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने की कोशिश की तो हम उन हाथों को काट देंगे। उन्होंने दावा किया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी को रोकना चाहता है।

मुसादिक मलिक ने सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री के हाथ में एक नल है। वे कहते हैं कि पाकिस्तान में पानी की एक बूंद भी नहीं जाने देंगे। जो

हमारे हिस्से के पानी पर दावा करेंगे, उनके हाथ काट दिए जाएंगे।

वहीं अताउल्लाह तरार ने कहा कि सिंधु जल संधि कानूनी रूप से अब भी लागू है। भारत इसे न तो एकतरफा स्थगित कर सकता है, न रद्द कर सकता है और न ही इसमें बदलाव कर सकता है।

सिंधु जल संधि पर सेमिनार करेगा पाकिस्तान

पाकिस्तानी मंत्रियों ने बताया कि मंगलवार को इस्लामाबाद में सिंधु जल संधि पर पहला अंतरराष्ट्रीय सेमिनार किया जाएगा। इसमें कानूनी एक्सपर्ट, जल एक्सपर्ट्स और विदेशी प्रतिनिधि शामिल होंगे। सेमिनार में संधि के कानूनी और तकनीकी पहलुओं पर चर्चा होगी।

डॉन के मुताबिक, तरार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत पाकिस्तान के अधिकार सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पहले भी साफ कर चुके हैं कि पानी हमारी जीवनरेखा है और यह हमारी रेड लाइन भी है।

ट्रम्प बोले- पेट्रोल बेचने वाली कंपनियां तुरंत दाम घटाएं

- कच्चा तेल सस्ता हो गया
- ग्राहकों से ज्यादा पैसे वसूले जा रहे

वाशिंगटन. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पेट्रोल बेचने वाली कंपनियों से तुरंत पेट्रोल के दाम घटाने को कहा है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि कच्चे तेल की कीमत घटकर 68 डॉलर प्रति बैरल रह गई है, लेकिन इसका फायदा ग्राहकों तक नहीं पहुंच रहा।

उन्होंने कहा कि लोग अब भी जरूरत से ज्यादा कीमत चुका रहे हैं, जबकि तेल लगातार सस्ता हो रहा है। उन्होंने कंपनियों से पेट्रोल की कीमत करीब 2.50 डॉलर प्रति गैलन तक लाने की अपील की।

ट्रम्प ने कहा कि ग्राहकों से जरूरत से ज्यादा पैसे वसूलना गैरकानूनी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कंपनियों ने जल्द दाम नहीं घटाए तो उन्हें बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इससे पहले ट्रम्प अमेरिकी न्याय विभाग को बड़ी तेल कंपनियों की जांच के आदेश भी दे चुके हैं।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के बाद तेल की कीमतों में उछाल आया था। अब कच्चे तेल की कीमतें घट गई हैं, लेकिन पेट्रोल-डीजल अब भी महंगा बिक रहा है।

'मम्मी-पापा माफ करना...'

- BHU के जूनियर डॉक्टर ने IV ड्रिप लगाकर की आत्महत्या

वाराणसी. वाराणसी में आत्महत्या का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां एक जूनियर डॉक्टर ने खुद को ही ड्रिप के सहारे दवा चढ़ाकर मौत को गले लगा लिया. घटना आईएमएस-बीएचयू के सुश्रुत हॉस्टल की है. यहां 26 साल के पश्चिम बंगाल हुगली के रहने वाले ऋत्विक कुंदू ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी. पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है. जिसमें एक लड़की से प्यार करने का जिक्र भी किया गया है.

दरअसल ऋत्विक वाराणसी के आईएमएस-बीएचयू में एनेस्थीसिया विभाग में जूनियर डॉक्टर थे. काफी देर तक जब वह क्लास में या ड्यूटी पर नहीं दिखाई पड़े तो उनकी खोजबीन शुरू हुई. लोग उनके सुश्रुत हॉस्टल के कमरा नंबर 361 पर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद था. साथियों ने इसकी सूचना तुरंत बीएचयू प्रशासन को दी. जिसके बाद हॉस्टल का ताला तोड़ा गया तो ऋतिक अंदर अपने बेड पर पड़े थे और एक ड्रिप उनको लगी हुई थी.

सुसाइड नोट में इन बातों का है जिक्र

- पहली दफा अंदाजा लगाया जा रहा है कि ड्रिप के सहारे ही एनेस्थीसिया की दवा लेने के चलते ओवरडोज की वजह से ऋत्विक की मौत हो गई. फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है. पुलिस ने बताया कि शव के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है. जिसमें ऋतिक ने अपने मम्मी-पापा से माफी मांगी है और कहां है कि वह उनकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया.
- सुसाइड नोट में लिखा गया है कि जिंदगी बहुत शॉर्ट है. जिसका पता बाहर से नहीं चल सका, लेकिन यहां आकर पता चला कि जीवन में बहुत संघर्ष है. उसने यह भी लिखा कि वह अपनी इच्छा से जान दे रहा है. इसके लिए किसी को परेशान ना किया जाए. खासकर उस लड़की को, जो उससे बहुत प्यार करती है. उसके लिए बहुत कुछ किया है. दोस्तों परिजनों मैं जा रहा हूं अलविदा दुनिया...

चेतन की 'चाल' बताएगी सच, सिया के बॉयफ्रेंड का होगा गेट एनालिसिस टेस्ट

क्या है चाल विश्लेषण और क्यों है जरूरी?

दरअसल, चाल विश्लेषण में किसी व्यक्ति के चलने के तरीके, कदमों की लंबाई, शरीर की मुद्रा, हाथ-पैरों की गति आदि का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है। इस टेक्नीक का इस्तेमाल सीसीटीवी फुटेज से संदिग्धों की पहचान के लिए किया जाता है। पुलिस ने अदालत को बताया कि चेतन चौधरी घटना वाले दिन भीषण गर्मी के बावजूद हुडी पहने हुए था, जिससे उसने अपना चेहरा छिपाने की कोशिश की।

पुणे. लोहागढ़ किले में 18 जून को रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने नया मोड़ लिया है। अब आरोपी चेतन चौधरी का 'चाल विश्लेषण' (Gait Analysis) कराया जाएगा। यह परीक्षण सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान पक्की करने के लिए किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, 18 जून को लोनावला के पास लोहागढ़ किले की ट्रेकिंग के दौरान केतन अग्रवाल की मौत शुरू में दुर्घटना बताई गई थी। लेकिन बाद में इसकी जांच हत्या में बदल गई। केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी को हत्या की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

बताया जा रहा है कि पुलिस अब केतन चौधरी को उसी तरह की हुडी पहनाकर किले के उसी इलाके में घुमाएगी और नया वीडियो रिकॉर्ड करेगी। इस पुनर्निर्मित वीडियो की तुलना मौजूदा सीसीटीवी फुटेज से की जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी में हुडी पहने व्यक्ति की चाल का मिलान पुनर्निर्मित वीडियो से किया जाएगा। इससे साबित होगा कि वह व्यक्ति चेतन ही था या नहीं।

वकीलों को लेकर विवाद

मामले में सिया गोयल के वकील विपुल दुशिंग ने अदालत में दलील दी है कि उनकी मुवक्किल की गिरफ्तारी गैरकानूनी और बिना आधार के की गई है। वहीं चेतन चौधरी के वकील राम शाहणे ने कहा कि एफआईआर में उनके मुवक्किल की भूमिका अस्पष्ट और सीमित है।

अब तमिलनाडु सरकार खरीदेगी सिर्फ AC बसें

चेन्नई. तमिलनाडु सरकार अब सिर्फ एसी बसें ही खरीदेगी। मुख्यमंत्री विजय ने सभी नई सरकारी बसों में वातानुकूलित सुविधा अनिवार्य करने का बड़ा निर्देश जारी किया है। यह फैसला राज्य के सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक बनाने और आम नागरिकों को बेहतर यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

परिवहन मंत्री विजय तमिल पार्थिबन ने इस फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि अब से तमिलनाडु के लोगों को एसी बसों में यात्रा करने का मौका मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री की इच्छा है कि भविष्य में खरीदी जाने वाली हर नई सरकारी बस एसी युक्त हो। मंत्री ने आगे बताया कि मुख्यमंत्री विजय चाहते हैं कि राज्य के हर दूरस्थ इलाके को भी मजबूत बस नेटवर्क से जोड़ा जाए, ताकि आम नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सके।

अकाउंट फ्रीज को लेकर तत्काल सुनवाई से इनकार

- ममता बनर्जी को हाई कोर्ट से झटका

कोलकाता. कलकत्ता हाई कोर्ट से ममता बनर्जी को एक बड़ा झटका लगा है। बाई कोर्ट ने मंगलवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बैंक खाते से लेन-देन पर रोक लगाए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। टीएमसी के बागी विधायकों द्वारा पार्टी के खातों में जमा धन के स्रोत की जांच की मांग को लेकर की गई शिकायतों के बाद अधिकारियों ने तृणमूल के तीन बैंक खातों पर 'डेबिट फ्रीज' (किसी बैंक खाते से पैसे निकालने पर रोक) लगा दी है।

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल गुट की याचिका को प्राथमिकता देने से इनकार करते हुए

जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने कहा कि मामले की सुनवाई सूचीबद्धता क्रम के अनुसार ही होगी। ममता बनर्जी नीत गुट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता किशोर दत्ता ने अदालत को बताया कि पार्टी के तीन बैंक खातों पर 'डेबिट फ्रीज' लगा दिया गया है, जिससे इन खातों से होने वाले सभी बाहरी लेनदेन पर रोक लग गई है। उन्होंने मामले की तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया। हालांकि, अदालत ने तत्काल सुनवाई का अनुरोध खारिज कर दिया।

कौन है अक्षरा, जिसे फीमेल वैभव सूर्यवंशी कहा जा रहा

- 8 साल की उम्र में बल्ला उठाया
- 15 में ट्रिपल सेंचुरी
- मां बनीं पहली कोच

पिछले कुछ महीनों में भारतीय क्रिकेट में बिहार का नाम सबसे ज्यादा वैभव सूर्यवंशी की वजह से चर्चा में रहा। महज 15 साल की उम्र में IPL 2026 में सबसे ज्यादा 776 रन और टीम इंडिया के लिए चुने जाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर भी बने। लेकिन अब बिहार से एक और टीनएजर ने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार चर्चा महिला क्रिकेटर की है।

नाम है अक्षरा गुप्ता। उम्र सिर्फ 15 साल। बिहार विमेंस अंडर-19 वनडे ट्रॉफी में उन्होंने महज 126 गेंदों में नाबाद 306 रन बना दिए। उनकी पारी में 55 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। 233 मिनट तक क्रीज पर टिककर उन्होंने 242.86 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उन्होंने महज 16 गेंदों में अर्धशतक और 34 गेंदों में शतक पूरा कर लिया।

यह कहानी बिहार के नेपाल बॉर्डर से सटे एक छोटे से शहर रक्सौल की है, जहां न कोई बड़ी क्रिकेट अकादमी थी, न आधुनिक सुविधाएं और न ही लड़कियों के लिए क्रिकेट खेलने का माहौल। आगे पढ़िए अक्षरा कैसे बनीं फीमेल वैभव सूर्यवंशी...

घर के पीछे बनी पिच ने बदली जिंदगी

अक्षरा के पिता राज किशोर शाह चिकन की दुकान चलाते हैं। मां रीना देवी हाउस वाइफ हैं। बेटी का क्रिकेट के प्रति जुनून देखकर पिता ने घर के पीछे नेट और प्रैक्टिस पिच बनवा दी। मां रोज सुबह 5 बजे उठाकर दूध पिलातीं और दौड़ने भेजती थीं।

अक्षरा ने 8 साल की उम्र में भाइयों और मोहल्ले के लड़कों के साथ क्रिकेट खेलना शुरू किया। चाचा रामकृपा ने उनका टैलेंट पहचाना और रोज थ्रोडाउन कराकर अभ्यास कराया। 2020 से रेगुलर ट्रेनिंग और अक्षरा आज भी रोज करीब 5 घंटे प्रैक्टिस करती हैं।

14 साल में मिली U-19 की कप्तानी

अक्षरा के कजिन ऋषभ, जो बिहार क्रिकेट से जुड़े हैं, उनके पहले आइडल बने। 2024 उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। बिहार अंडर-19 टीम में चयन के कुछ ही समय बाद महज 14 साल की उम्र में उन्हें कप्तानी सौंप दी गई। हरियाणा और पंजाब जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ अर्धशतक जड़कर उन्होंने पहचान बनाई।

इसका इनाम उन्हें फरवरी 2026 में मिला। 14 साल की उम्र में ही उनका सिलेक्शन बिहार की सीनियर महिला टीम में हो गया। वह राज्य के लिए सीनियर क्रिकेट खेलने वाली सबसे कम उम्र की महिला क्रिकेटर बनीं।

होर्मुज में आते ही रडार से क्यों गायब हो रहे भारतीय जहाज?

ईरान और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच भारत आने वाले 60 फीसदी से ज्यादा जहाज अचानक पब्लिक ट्रैकिंग सिस्टम से 'गायब' होने लगे हैं। हालांकि, ये जहाज वास्तव में लापता नहीं हुए हैं। सुरक्षा कारणों से ये अपना ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (AIS) बंद या सीमित कर रहे हैं, ताकि कोई भी उनकी सटीक लोकेशन ट्रैक न कर सके।

AIS एक ऐसा सिस्टम है, जो जहाज की पहचान, उसकी लोकेशन, स्पीड और गंतव्य की जानकारी लगातार प्रसारित करता है। इससे दूसरे जहाज, बंदरगाह और ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म उनकी निगरानी कर पाते हैं। लेकिन युद्ध या तनाव वाले इलाकों में यही जानकारी जहाजों के लिए खतरा बन सकती है।

क्या जहाजों से संपर्क टूट गया?

समुद्री खुफिया कंपनी Kpler के मुताबिक, भारत आने वाले करीब 62 फीसदी तेल टैंकर और मालवाहक जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते समय अपनी सार्वजनिक लोकेशन छिपा रहे हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि किसी संभावित हमले या छेड़छाड़ से बचा जा सके। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि जहाजों का संपर्क टूट गया है। ये जहाज नौसेना, तटीय सुरक्षा एजेंसियों और अपनी शिपिंग कंपनियों से सुरक्षित संचार माध्यमों के जरिए लगातार जुड़े रहते हैं। केवल आम लोगों और वेबसाइटों पर उनकी लाइव लोकेशन दिखाई नहीं देती।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

स्वातंत्र्याचा अमृत महोत्सव

जा.क्र.उमपा/स.आ./प्र.स.2116/2026
सहा. आयुक्त यांचे कार्यालय, प्रभाग समिती
क्र. 2, मोहनदास रामरख्यानी हॉल, सपना
गार्डन जवळ, उल्हासनगर- 3
दिनांक : 30/06/2026

नोटीस

(महाराष्ट्र नागरी क्षेत्र झाडांचे संरक्षण व जतन अधिनियम 1975 चे कलम 8 (3) अन्वये)

उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रात प्रभाग समिती क्र. 2 चे हद्दीत खाली नमुद केल्या प्रमाणे 01 झाड तोडणे व 03 झाडाचे फांदया छाटणेबाबत मंजुरी मिळणेकामी प्रस्ताव प्राप्त झालेला आहे. अर्जदारचे नाव व झाडाचा तपशील पुढीलप्रमाणे आहे.

अ.क्र.	अर्जदाराचे नांव	ठिकाण	झाडांचे प्रकार	झाडाची संख्या	धोकादायक फांदयाची संख्या	फांदयाची लांबी अंदाजे	शेरा
1	मा. उपमहापौर उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर-3	कृष्णा कॉलोनी, तरुण राजाई यांच्या घराजवळ, उल्हासनगर-02	बादाम	01	01	30 फुट	-
2		रामभाऊ म्हाळगी चौक, विक्रम सिंह यांच्या घराच्या बाजूला	निम	01	-	-	पुर्ण झाड तोडणे आवश्यक वाटते
3	श्री आयप्पा सेवा संस्थान	सुभाषनगर कॉलोनी समोर, रेड क्रॉस मार्ग, उल्हासनगर-3	गुलमोहर	01	02	50 ते 60 फुट	-
4			गुलमोहर	01	03	50 ते 60 फुट	-
5	श्री. रतनम जेकब बोन्तू	पंजाबी कॉलोनी, कृष्णा कॉटेज जवळ, झलेलाल मंदीर समोर, उल्हासनगर-3	वड	01	02	15 फुट	-

तरी, उक्त ठिकाणी नमुद 01 झाड तोडणे व 05 झाडाचे फांदया छाटणेकरिता ज्या कुणा इसमाची हरकत असेल त्यांनी आपली हरकत लेखी स्वरुपात 07 दिवसाच्या आत सहायक आयुक्त, प्रभाग समिती क्र. 2 यांचेकडे सादर करावी. मुदतीत हरकत प्राप्त झाल्यास संबंधितांची सुनावणी घेवून अंतिम निर्णय घेण्यात येईल, याची नोंद घ्यावी.

सही/-
(गणेश शिंपी)
वृक्ष अधिकारी तथा सहायक आयुक्त
प्रभाग समिती क्र. 2
उलहासनगर महानगरपालिका

जा.क्र/उमपा/पीआरओ /788/2026
दिनांक - 30/06/2026

संक्षेप...

आज विश्व डॉक्टर्स दिवस विशेष

ठाणे. सरकारी अस्पताल आने वाले हर मरीज़ के लिए, एक डॉक्टर आखिरी उम्मीद होता है। उस उम्मीद में भरोसा जोड़ना और हज़ारों मरीज़ों की ज़िंदगी में नई जान फूंकना सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार का नाम है।

एक सर्जन के तौर पर अपनी काबिलियत, एक एडमिनिस्ट्रेटर के तौर पर दूर की सोच और एक इंसान के तौर पर संवेदनशीलता से, उन्होंने पब्लिक हेल्थ सिस्टम में एक खास पहचान बनाई है।

डॉ. पवार की अगुवाई में, ठाणे सिविल अस्पताल ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई एरिया में ज़बरदस्त तरक्की की है। उन्होंने आधुनिक ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट, मैटरनल और चाइल्ड हेल्थ सर्विस, कैंसर डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट, और कई मॉडर्न मेडिकल सुविधाएं देकर सरकारी अस्पतालों में लोगों का भरोसा मज़बूत करने में अहम रोल निभाया है। हालांकि, उनके काम करने के तरीके की असली पहचान मरीज़ों के प्रति उनके अपनेपन में दिखती है।

उद्धव खेमे में नहीं रुक रहा पलायन

- शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए सचिन अहिर, पर्चा भी भर दिया

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। मंगलवार को उद्धव गुट को एक और बड़ा झटका लगा है। पार्टी के एमएलसी सचिन अहीर ने ठाकरे का साथ छोड़कर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का दामन थाम लिया है।

शिंदे गुट में शामिल होने के तुरंत बाद सचिन अहीर ने एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने महाराष्ट्र विधान परिषद के उपसभापति (डिप्टी चेयरमैन) पद के लिए महायुति के उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन भी दाखिल कर दिया है।

महाराष्ट्र विधान परिषद के उपसभापति पद के लिए चुनाव होना है. इस बीच महायुती और महाविकासअघाड़ी आमने-सामने हैं. महाविकास अघाड़ी की ओर से जे.एम अभ्यंकर को प्रत्याशी बनाया गया है. वहीं उद्धव ठाकरे को झटका देकर पार्टी के विधान परिषद सदस्य सचिन अहिर ने महायुति के शिंदे गुट की तरफ से पर्चा दाखिल कर दिया है. इस सियासी घटनाक्रम पर अब प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है.

- एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में भरा फॉर्म

शिवसेना (यूबीटी) के एमएलसी सचिन अहीर ने शिवसेना में शामिल होकर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में पार्टी उम्मीदवार के तौर पर महाराष्ट्र विधान परिषद के उपाध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया. इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार भी मौजूद रहे.

- महेश सावंत ने क्या कहा?

सचिन अहिर के पाला बदलने पर शिवसेना UBT विधायक महेश सावंत ने कहा कि सचिन अहीर का जाना पार्टी के लिए बड़ा झटका है. उद्धव ठाकरे ने उन्हें सबकुछ दिया. अब क्यों गए ये वही बता सकते है. वर्ली में आदित्य ठाकरे के सामने उम्मीदवार मिला, मुझे नहीं लगता की सचिन अहीर आदित्य ठाकरे के सामने चुनाव लड़ेंगे.

- मुरजी पटेल ने दी यह प्रतिक्रिया

शिवसेना विधायक मुरजी पटेल ने मामले पर बातचीत करते हुए कहा, 'मैंने शिवसेना के स्थापना दिवस पर कहा था की जल्दी ऑपरेशन टाइगर 3 और 4 होगा. सचिन अहीर का पार्टी में स्वागत है. उनका आना ऑपरेशन 3 की शुरुआत है. जल्द ऑपरेशन टाइगर 4 भी होगा.' उन्होंने कहा, 'उद्धव ठाकरे के पास सिर्फ 4 लोग बचेंगे. गौरतलब है की मुरजी पटेल ने सबसे पहले UBT के विधायकों के शिंदे गुट में आने की बात मीडिया के सामने कही थी.

- महाविकास अघाड़ी ने भी उतारा उम्मीदवार

महाविकास अघाड़ी ने जे.एम अभ्यंकर को अपना उम्मीदवार बनाया है. वहीं अब उद्धव ठाकरे के करीबी विधान परिषद सदस्य ने पार्टी से बगावत करते हुए शिवसेना एकनाथ शिंदे के प्रत्याशी के तौर पर अपना फॉर्म भर दिया है.

1 जुलाई को होगा उपसभापति के लिए चुनाव

महाराष्ट्र विधान परिषद के उपसभापति के लिए बुधवार (1 जुलाई) को चुनाव होना है. मंगलवार को नामांकन प्रक्रिया पूरी की जाएगी. महायुती और महाविकास अघाड़ी इस पद के लिए आमने-सामने नजर आ रही हैं.

सदन में महायुति के पास मजबूत संख्याबल

विधान परिषद के सदन में महायुति का संख्याबल मजबूत है. ऐसे में सचिन अहिर के चुने जाने को लेकर शिवसेना आश्वस्त नजर आ रही है. यह पद समिकरणों के हिसाब से एकनाथ शिंदे के खाते में गया है, जिसको लेकर उम्मीदवार के नाम पर लगातार सस्पेंस बना हुआ था.

बुवापाड़ा शारदा चौक जाने वाले रास्ते को पूरा करने की मांग

- बनारसी होटल मुख्य द्वार तक रास्ता 2 साल से बना नहीं
- मुख्याधिकारी, नगराध्यक्षा को नगरसेविका ने दिया निवेदन

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के बुवापाड़ा शारदा चौक को जाने वाले रास्ते का प्रवेश द्वार के पास ही बनारसी होटल के बाजू से प्रलंबित काम को तत्काल पूरा करने की मांग प्रभाग क्र. 5 की नगरसेविका किरण प्रमोद कुमार चौबे ने मुख्याधिकारी एवं नगराध्यक्ष को एक निवेदन देकर की है।

बनारसी होट के बाजू में केबी मुख्य रास्ते से शारदा जौक का जाने वाला 50 फुट के रास्ते का काम गत 2 से 3 वर्ष से प्रलंबित है. एक तरफ रास्ता चौड़ा करने का काम पूरा हो गया है. दूसरी तरफ का रास्ता चौड़ा इसलिए नहीं किया जा सका है कि मुख्य चौक पर एक होटल है. इस होटल मालिक से बात करके उसका समाधान करके इस कार्य को पूरा किया जा सकता है. ऐसा प्रमोद कुमार चौबे ने नगराध्यक्षा से भेंट करके कहा है.

रास्ते के प्रवेश द्वार पर ही रास्ते का एवं गटर निर्माण का कार्य 2-3 वर्ष से आधा छोड़ दिया गया है. जिसके कारण स्थानीय नागरिकों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय नगरसेविका चौबे को बड़े पैमाने पर शिकायतें प्राप्त हो रही है. यहां से जाने आने वाली महिलाएं, वृद्ध, छोटे बच्चे गिर रहे हैं.

इस बारिश में पानी जमाने से कीचड़ भी हो रहा है. संबंधित विभाग को तत्काल निर्देश देकर इस कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग की गई है. नागरिकों की बढ़ती नाराजगी व जनहित को ध्यान में रखते हुए आमरण अनशन का मार्ग अपनाने की बात निवेदन में की गई है. इस कार्य को प्राथमिकता के साथ तत्काल पूरा करने की मांग की गई है.

उल्हासनगर के SST कॉलेज को वैश्विक सम्मान!

अमेरिका और लंदन की दो प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा दो अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित

उल्हासनगर. शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले एस.एस.टी. आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उत्कृष्टता का परिचय दिया है। कॉलेज को अमेरिका स्थित Eudoxia Research University द्वारा 'Visionary Leadership in Higher Education Award' तथा लंदन स्थित Universal World Research Innovation Centre द्वारा 'Institute of Excellence in Research & Innovation Award' जैसे दो प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

ऑनलाइन आयोजित इस पुरस्कार समारोह में विश्वभर की विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं ने भाग लिया। शिक्षा में दूरदर्शी नेतृत्व, अनुसंधान को प्रोत्साहन, आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग, कौशल-आधारित शिक्षा, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों को ध्यान में रखते हुए एस.एस.टी. कॉलेज का चयन इस सम्मान के लिए किया गया।

पिछले कुछ वर्षों में कॉलेज ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध सम्मेलनों का सफल आयोजन किया है। साथ ही विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के शोध प्रकाशनों को प्रोत्साहन, उद्योगोन्मुख एवं मूल्यवर्धित पाठ्यक्रमों का संचालन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), डिजिटल कौशल तथा उद्यमिता विकास से जुड़े विविध कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), DLLE, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व, सांस्कृतिक गतिविधियों तथा खेलकूद के क्षेत्र में भी कॉलेज ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। कॉलेज के अनेक विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय, राज्य, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है।

पुरस्कार स्वीकार करते हुए कॉलेज के प्राचार्य ने कहा कि यह सम्मान संस्थापक, प्रबंधन, प्राध्यापकों, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा पूर्व विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मान भविष्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में और अधिक उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा देगा।

इस दोहरे अंतरराष्ट्रीय सम्मान पर शिक्षा, समाज तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने एस.एस.टी. कॉलेज को शुभकामनाएँ एवं बधाइयाँ दी हैं। वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करते हुए एस.एस.टी. कॉलेज ने उल्हासनगर के शैक्षणिक जगत में गौरव का एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है।

TET पेपर लीक केस में चौथा आरोपी गिरफ्तार

फरार मुख्य आरोपी की पत्नी पटना से ली गई कस्टडी में

भिवंडी. ठाणे पुलिस की एक टीम ने D.Ed टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी TET पेपर लीक केस के चौथे आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। मुख्य फरार आरोपी विजेंद्र गुप्ता की पत्नी सुमन कुमारी गुप्ता को पटना से कस्टडी में लिया गया है। मंगलवार को भिवंडी कोर्ट में जज एस. एम. सुतार के सामने पेश किए जाने पर सुमन कुमारी गुप्ता को 6 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है।

मुख्य फरार आरोपी विजेंद्र गुप्ता इस क्राइम का मास्टरमाइंड है और पहले ओडिशा TET पेपर लीक केस में शामिल था। सरकारी वकील ए. सुमित जाधव ने उसकी पत्नी के साथ मोबाइल फोन पर हुए कॉन्टैक्ट की जांच करने और यह पता लगाने के लिए पुलिस कस्टडी मांगी कि क्या सुमन कुमारी को इससे कोई फाइनेंशियल फायदा हुआ था।

दूसरी ओर, आरोपी के वकील ए. शैलेश गायकवाड़ जानना चाहते थे कि चूंकि वह मुख्य आरोपी की पत्नी थी, इसलिए उनके बीच कॉन्टैक्ट था। इसका मतलब यह नहीं है कि वह आरोपी है। अगर ऐसा होता तो वह अपने घर पर नहीं रहती। उसने दलील दी कि उसने पुलिस के साथ सहयोग किया। इस पर कोर्ट ने सुमन कुमारी गुप्ता को 6 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

CCTV में कैद हुई जिम में मारपीट की घटना, युवक रुक्मिणीबाई अस्पताल में दाखिल

- कोलसेवाड़ी पुलिस में मामला दर्ज

कल्याण. कल्याण पूर्व के कोलसेवाड़ी इलाके में एक जिम में हुए झगड़े में एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी गई। कुछ लोगों की पिटाई से हर्ष राहुल पाठक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका कल्याण के रुक्मिणीबाई हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, करीब एक महीने पहले हर्ष का छोटा भाई आदर्श पाठक जिम में एक्सरसाइज कर रहा था। उस समय उसने आरोपी राज चव्हाण उर्फ सोनू के सामने एक्सरसाइज के लिए डंबल उठा लिया था। इससे गुस्साए राज चव्हाण उर्फ सोनू भाई और उसके साथियों ने आदर्श की बेरहमी से पिटाई कर दी। उस समय हुई पूरी घटना जिम के CCTV कैमरे में कैद हो गई। इस समय कुछ स्थानीय लोगों के बीच-बचाव करने के बाद झगड़ा शांत हो गया था। हालांकि, इस घटना के बाद भी आरोप है कि आरोपियों ने जिम इलाके में दहशत का माहौल बना दिया। इसी बीच, कल शाम जब हर्ष पाठक उसी जिम में गया, तो आरोपी राज चव्हाण उर्फ सोनू और उसके साथियों ने उसे देखते ही उस पर हमला कर दिया। इस दौरान हर्ष को लाठी, डंडों और लातों के साथ-साथ दूसरी चीज़ों से भी पीटा गया। इस पिटाई में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल हालत में हर्ष को तुरंत कल्याण के रुक्मिणीबाई हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया और उसका इलाज चल रहा है। कोलसेवाड़ी पुलिस इसकी जांच कर रही है।

आम सूचना

मैं श्री पांडूरग गंगाधर नोमुलवार सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, संभाजी नगर, धोबीघाट, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 03एओ014090500) उक्त प्रॉपर्टी श्री बालाजी नागनाथराव नोमुलवार के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 26.6.2026 सी.नं. 571/2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री पांडूरग गंगाधर नोमुलवार

आम सूचना

मैं श्री मोहन होलाराम केवलरामानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि मेरी जायदाद बैरक नं. 147-ए, रुम नं. 7, उल्हासनगर- 421001. जिसका क्षेत्रफल 400 स्क. फुट है। इस जायदाद के कागजात जिसमें ओरिजनल सेल एग्रीमेंट कहीं खो गई है। जिसकी शिकायत मैंने उल्हासनगर पुलिस थाने में 26.6.2026 मिसिंग रजि. नं. 422/2026 को दर्ज कराई है। मैंने इस जायदा का सौदा श्री विजय मीरचंदानी से किया है। अगर किसी व्यक्ति को उपरोक्त जायदाद की ओरिजनल सेल एग्रीमेंट मिलते है तो वो उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में संपर्क। इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 14 दिनों बाद इस ओरिजनल कागजात को दोबारा बनाए जाएगा और सौदा पूरा कर लिया है। इसके बाद अगर कोई भी दावा करेगा वो कानूनी तौर पर मान्य नहीं होगा।

सही/-
श्री मोहन होलाराम केवलरामानी

सही/-
एड. पिंकी बुधवानी
शॉप नं. 2, लासी हॉल के पास, हेमराज डेयरी रोड,
उल्हासनगर-421001. मो. 7057805281

जीनत अमान ने गिनाए लिव-इन रिलेशनशिप के फायदे

- बोलीं-'15 साल के शादीशुदा दर्द से 5 साल की खुशियां बेहतर'

मुमताज ने जीनत अमान के लिवइन रिलेशनशिप वाले बयान पर अपनी टिप्पणी करते हुए कहा था कि वो यंग लोगों को बिगाड़ रही हैं. एक्ट्रेस ने यहां तक कहा था कि जीनत अभी अभी इंस्टाग्राम पर आई हैं और वो यंग लोगों के बीच पॉपुलर होने के लिए ये सब कह रही हैं. वो बस कूल आंटी बनना चाहती हैं.

विवादों के बीच भी जीनत अमान ने एक बार फिर लिवइन पर खुलकर अपनी राय रखी है. वो कहती हैं कि उन्हें लिवइन के कई फायदे लगते हैं. शुभ्रा अयप्पा के साथ बात करते हुए जीनत ने फिर से अपनी राय को दोहराया और उन्होंने कहा कि वो ऐसा इसलिए सोचती हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि शादी एक बड़ी कमिटमेंट है.

दिग्गज एक्ट्रेस कहती हैं, 'आज के दौर में ही नहीं, पहले भी कोई चीज हमेशा के लिए तय नहीं होती थी. किसी कानूनी रिश्ते में बंधने से पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आप दोनों एक-दूसरे के साथ कितने कम्पैटिबल हैं. मेरी सोच यही है. यह जानना जरूरी है कि आप मेंटल और इमोशनल तौर पर कितना मेल खाते हैं'.

वो आगे कहती हैं, 'अगर आप बच्चे प्लान कर रहे हो तो आपको पता होना चाहिए कि आखिर आप उन्हें कैसे पालेंगे. पैसों को लेकर आपकी सोच क्या है? अगर आपसी समझ और तालमेल ही नहीं है, तो फिर उस रिश्ते का मतलब क्या है?'. जीनत अमान का कहना है कि 15 साल तक शादीशुदा जिंदगी में दुखी रहने से अच्छा है कि आप 5 साल तक लिवइन में खुश रहो. जीनत अमान आगे कहती हैं कि लोग सोचते हैं कि रोमांस हमेशा रहने वाला है. कोई भी चीज हमेशा नहीं रहती. रिश्ते हमेशा एक 'वर्क इन प्रोग्रेस' होते हैं. अगर चीजों को सही से चलाना है, तो वहां लेन-देन, तालमेल और समझौता होना ही चाहिए. रिश्ते समय के साथ विकसित होते हैं. अगर आप सोचते हैं कि हनीमून फेज हमेशा बना रहेगा, तो ऐसा नहीं होता'. एक्ट्रेस आगे कहती हैं कि वो सिर्फ इंस्टाग्राम या सोशल मीडिया पर नहीं बल्कि असल जिंदगी में भी ऐसा ही सोचती हैं. वो अपने बेटों को भी यही सलाह देती हैं कि शादी का फैसला करने से पहले वो अपनी पार्टनर के साथ लिवइन में रहकर एक-दूसरे को पूरी तरह समझ लें.

जीनत अमान की शादीशुदा जिंदगी कुछ खास अच्छी नहीं रही. एक्ट्रेस ने दो बार प्यार को मौका दिया और 2 शादी की, लेकिन दोनों बार उन्हें रिश्ते में दर्द और तकलीफ के सिवा कुछ हासिल नहीं हुआ. पहली शादी एक्ट्रेस ने संजय खान के साथ की थी, लेकिन इस रिश्ते में उन्हें दर्द, तकलीफ और घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ा था.

HRPS नहीं है तो पक्का होगा जुर्माना

- ठाणे में आज से कार्रवाई होगी

ठाणे. ठाणे आरटीओ की सीमा में 3.32 लाख गाड़ियां रजिस्टर्ड; 2.57 लाख गाड़ियों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने का प्रोसेस पूरा, मीरा-भायंदर में भी 40 हजार गाड़ियों पर एचएसआरपी नंबर प्लेट।

ठाणे।बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट (HSRP) वाली गाड़ियों पर आज (1 जुलाई) से दंडात्मक की कार्रवाई शुरू होगी, और ठाणे आरटीओ कार्यालय ने गाड़ी मालिकों से तुरंत एचएसआरपी लगवाने की अपील की है। इस बीच, ठाणे आरटीओ की सीमा में असल में 2,57,551 गाड़ियों में एचएसआरपी लगवाने का प्रोसेस पूरा हो चुका है, और गाड़ी मालिकों ने इस अभियान को उत्साह से रिस्पॉन्स दिया है।ठाणे आरटीओ की जानकारी के मुताबिक, कुल 3,32,648 गाड़ी मालिकों ने एचएसआरपी के लिए रजिस्टर कराया है। इनमें से 3,31,310 गाड़ी मालिकों ने 29 जून तक अपॉइंटमेंट ले लिया था, जबकि 2,57,551 गाड़ियों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने का काम पूरा हो चुका है। बाकी जिन गाड़ियों ने अपॉइंटमेंट ले लिया है, उन पर फिटमेंट प्रोसेस चल रहा है।राज्य परिवहन आयुक्त के ऑर्डर के मुताबिक, जिन गाड़ी मालिकों ने 30 जून तक एचएसआरपी के लिए अपॉइंटमेंट ले लिया है, उनके खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जाएगा। हालांकि,उप आरटीओ अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि आज से ऐसी गाड़ियों के खिलाफ़ दंडात्मक कार्रवाई किया जाएगा।ठाणे आरटीओ ने गाड़ी मालिकों से दंडात्मक कार्रवाई से बचने के लिए तुरंत एचएसआरपी लगवाने की रिक्वेस्ट की है। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट गाड़ी की पहचान को ज़्यादा सिक्योर और सही बनाती हैं, और चोरी, नकली नंबर प्लेट और क्राइम को कंट्रोल करने में भी मदद करती हैं। इसलिए,परिवहन विभाग ने साफ किया है कि यह न सिर्फ एक लीगल ज़रूरत है बल्कि गाड़ी की सेफ्टी के लिए भी एक ज़रूरी कदम है।वहीं मुख्य आरटीओ अधिकारी हेमांगिनी पाटील बताया कि एचएसआरपी अभियान को ठाणे और मीरा-भायंदर में गाड़ी मालिकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ठाणे में 2,57,551 गाड़ियों और मीरा-भायंदर में करीब 40 हज़ार गाड़ियों में एचएसआरपी लग चुकी है।जिन गाड़ी मालिकों ने अभी तक एचएसआरपी नहीं लगवाई है, वे तुरंत प्रोसेस पूरा करें और नियमों का पालन करें।

लावारिस मृतक के रिश्तेदारों की तलाश

ठाणे. 8 जून को सुबह 8.15 बजे मनपा मैदान, मोघरपाड़ा, ठाणे के पास एक लावारिस मृतक (उम्र 55 से 60 साल) सड़ी-गली हालत में मिली। लावारिस मृतक की बॉडी को सिविल हॉस्पिटल, ठाणे में भर्ती कराया गया है और कासरवडावली पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज की गई है कि बॉडी को कस्टडी में रखा गया है।

अज्ञात मृतक का विवरण उसके सिर के सभी बाल सफेद हैं, उसने लाल हाफ टी-शर्ट और सफेद हाफ पैंट पहनी हुई है, पैरों में काले सैंडल पहने हुए हैं, पूरा शरीर सड़ी-गली हालत में है। हालांकि कासारवडवली पुलिस स्टेशन के असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर दिगंबर लेंगे ने उक्त मृतक के किसी भी वारिस या रिश्तेदार से कासारवडवली पुलिस स्टेशन से संपर्क करने की अपील की है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099